

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 11

अंक : 2

अप्रैल - जून 2025



किसी की दुनिया में उजाला फैलाने
के लिए एक कदम आगे बढ़ाये।



आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

सम्पादकीय



वर्ष 2025 का द्वितीय अंक आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। राज्य में दृष्टिबाधित 3 लाख से अधिक लोगों के जीवन में रोशनी लाने एवं दृष्टि के अधिकार के उद्देश्य से अंधता नियंत्रण नीति लागू करने वाला राजस्थान पहला राज्य है। नीति को लागू हुए लगभग 2 वर्ष 6 माह का समय व्यतीत हो चुका है। इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में केराटोप्लास्टि सेंटर एवं नेत्र बैंक अनिवार्य रूप से संचालित होने थे। जिलों में दृष्टिबाधिता को समाप्त करने के लिए स्वैच्छिक संगठनों, ट्रस्टों, अस्पतालों और इस क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग कर व्यापक स्तर पर नेत्रदान अभियान चलाए जाने थे। नेत्र विशेषज्ञों, नेत्र शल्य चिकित्सकों, स्नातकोत्तर छात्रों परामर्शदाताओं और नेत्र सहायकों को विशेष प्रशिक्षण देकर नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया को तीव्र गति देने का निर्णय लिया गया था।

वर्तमान में जहां एक ओर नेत्रदान के लिए लोगों में जागरूकता आने लगी है, वहीं डॉक्टर्स द्वारा केराटोप्लास्टि इतनी नहीं की जा रही है कि एकत्रित कॉर्निया राज्य में ही प्रतीक्षारत दृष्टिबाधितों के प्रत्यारोपित हो जाएं, जो कि आई बैंक सोसायटी का मिशन है। राज्य में कॉर्निया काम में नहीं आने की स्थिति में संस्था को शेष कार्निया बाहर भेजने के लिए बाध्य होना पड़ता है जिससे प्राप्त कार्निया का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके। संस्था के शीर्ष नेतृत्व द्वारा राज्य सरकार और प्रशासन का ध्यान अनेक अवसरों पर इस ओर आकर्षित किया है किंतु इच्छित सफलता नहीं मिल पा रही। इसके लिए नीतिगत कठोर निर्णय लेकर अंधता नियंत्रण नीति को राज्य सरकार की ओर से लागू किया जाने पर ही राजस्थान में प्रतीक्षारत

दृष्टिबाधितों को नेत्रज्योति प्रदान करने के मिशन को आगे बढ़ाया जा सकता है।

समिति के कार्यकर्ताओं के कर्मठ एवं समर्पित प्रयासों द्वारा निरंतर कॉर्निया कलेक्शन बढ़ रहा है। कॉर्निया एकत्रित करने के लिए कार्यकर्ताओं में समय एवं इच्छा शक्ति की कोई कमी नहीं है। रात को 10:00 बजे 100 किलोमीटर की यात्रा करके कॉर्निया प्राप्त करने, एंबुलेंस को बीच रास्ते में रोक कर कॉर्निया निकालकर घर वालों की इच्छा पूरी करने का जज़्बा हमारे कार्यकर्ता डॉक्टर कुलवंत गौड में आप पाएंगे। यह कार्य ही ऐसा है, जिसमें समर्पण एवं कार्य के प्रति निष्ठा ही इस आई बैंक को भारत में संचालित आई बैंको में विशिष्ट स्थान प्रदान करता है।

कार्यक्षेत्र के विस्तार एवं परिस्थितियों में बदलाव को ध्यान में रखते हुए मेमोरेण्डम आफ एसोसिएशन एवं आर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में संशोधन का बहुप्रतिक्षित कार्य भी समिति के कुशल शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया जा चुका है जिसका विस्तृत विवरण भी आप इस अंक में पढ़ सकते हैं।

नेत्रदान हर घर की परम्परा बन सके एवं इससे संबंधित कोई भ्रम किसी के मन में न रहे इसके लिए एक नवाचार प्रारम्भ किया गया है। दानदाता परिवार के घर के बाहर एक पट्टिका लगाई जाती है जिस पर लिखा होता है 'हमें नेत्रदाता परिवार होने पर गर्व है'।

**एक छोटा सा संकल्प,
किसी की जिंदगी में उजाला ला सकता है।**

उषा बापना
संपादक

President Message



प्रिय साथियों,

नेत्र ज्योति का नया अंक नए स्वरूप में आपके अवलोकन के लिए प्रस्तुत है। हमारा प्रयास सदा ही रहा है कि नेत्रदान के कार्य और उसके प्रदर्शन में नवाचार को सम्मिलित किया जाए।

सन 2025 के पहले 6 महीने में हम 1518 कोर्निया प्राप्त कर 930 कोर्निया का प्रत्यारोपण करवा चुके हैं। यह इस साल की अच्छी शुरुआत है। यह कार्य सन 2023 और 2024 की तुलना में अधिक प्रगति की ओर है। इस दौरान प्राप्त कोर्निया का उपयोग भी बढ़ा है। कुछ टेक्निशियन के द्वारा प्राप्त कुल कोर्निया का 80% से ज्यादा का उपयोग किया गया है। यह काफी उत्साहवर्धक है।

मई माह में हमने 175 कोर्निया प्रत्यारोपण हेतु उपलब्ध कराए थे। जून के महीने में तो यह संख्या बढ़कर 197 हो गई जो अब तक किसी भी माह में प्रत्यारोपण के लिए उपलब्ध कराए गए कोर्निया में सर्वाधिक है।

आई बैंक सोसाइटी राजस्थान ने अपनी स्थापना से जून 2025 तक 25808 कोर्निया दान में प्राप्त किए और 16597 कोर्निया प्रत्यारोपित कर अंधता निवारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस तरह से हम अब तक लगभग 80000 परिवारजन में खुशी का इजहार कर चुके हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह आई बैंक राजस्थान में कुल प्राप्त होने वाले कोर्निया में से 96% कोर्निया उपलब्ध कराता है। बाकी अन्य बैंक सिर्फ 4% का योगदान देते हैं।

हमारा प्रयास हमेशा गुणवत्ता को प्राथमिकता देना रहा है जिसकी वजह से हम 10 साल से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्तर का गुणवत्ता प्रमाण पत्र पाते रहे हैं।

हमारा और हमारे चैप्टर का हमेशा यही प्रयास रहता है कि दानदाताओं को उचित सम्मान प्रदान करते रहे ताकि उनका योगदान याद रहे एवं उनको देखकर दूसरे प्रेरित होते

रहे। इस कड़ी में इस तिमाही में कोटा चैप्टर ने दानदाता सम्मेलन कर 82 परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जो एक बहुत अच्छा प्रयास था। नवाचार में हमने पिछले कुछ समय से तीसरे दिन की बैठक में जाकर नेत्रदानी परिवार के प्रति आभार प्रदर्शित करना शुरू किया है। यह बहुत ही सुखद बात है कि हमारे सदस्य और स्टाफ नियमित ऐसी बैठको में जाकर सम्बेदना प्रकट करते हैं और उनके योगदान के लिए आभार भी व्यक्त करते हैं। साथ ही वहां उपस्थित समुदाय को नेत्रदान की मुहिम में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जाएगा। मेरा सभी चैप्टर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि जन-जन तक पहुंच बनाते हुए नेत्रदान की मुहिम को गति देने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करें।

हमने सदस्यों की एक नई डायरेक्टरी तैयार की है जो शीघ्र ही प्रकाशित होकर आप तक पहुंच जाएगी। इसमें हमने अलग-अलग लोकैलिटी के अनुसार मेंबर्स की पहचान भी की है ताकि उनको विभिन्न कार्यक्रम में सम्मिलित होने में आसानी हो सके। मैं आपसे यह जरूर साझा करना चाहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा मेंबर्स का नेत्रदान के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होना इस मिशन की सफलता के लिए आवश्यक है। पिछले कुछ समय से देखा गया है कि कुछ ही सदस्य आई बैंक के कार्यक्रमों में जयपुर एवं अन्य चैप्टर्स में सम्मिलित हो पाते हैं। इसमें बहुत सुधार की आवश्यकता है। नेत्रदान एक बहुत बड़ा सामाजिक मिशन है हम एक कम्युनिटी आई बैंक है और हम पर यह जिम्मेदारी है कि हम सम्मिलित रूप से मिलकर ज्यादा से ज्यादा नेत्रदान करवाकर नेत्र ज्योति प्राप्त करने की प्रतीक्षा सूची को कम करने के मिशन में अपना भरपूर सहयोग दे सके। मुझे आप सबके सहयोग की पूरी उम्मीद है।

देर सारी शुभकामनाओं सहित।

बीएल शर्मा
अध्यक्ष

Amendments in the Memorandum of Association and the Articles of Association



The Eye Bank Society of Rajasthan was registered by the Registrar, Society on 07.02.2002. First set of Amendments in the Memorandum of Association and the Articles of Association was approved Registrar, Society on 27th August, 2013. The Memorandum of Association and

the Articles of Association were examined threadbare and proposals for amendments in the Memorandum of Association and Articles of Association were prepared. The basic objectives for the amendments were to make them comprehensive, bring them in tune with the present requirements and provide flexibility for future growth. Some amendments have been carried out to bring the Articles of Association in conformity with the Rajasthan Registration Societies Act, 1958. Moreover where ever necessary, the articles were redrafted or amended to bring clarity and also to improve the language.

Draft Proposals for amendments in the Memorandum of Association and Articles of Association prepared by the Executive Committee, were finalized in the first Special General meeting held on 23th February 2025 and were confirmed unanimously in this Second Special General Meeting held on 13th April 2025.

Amendments in the Memorandum of Association: There is only one main amendment in the Memorandum of Association:

1. Article 2.01 Main Objective: In the existing Memorandum of Association, there were seventeen objectives. All objectives were interrelated and some were procedural in nature. All objectives were consolidated into one single objective which is as follows:

The main objective of the Eye Bank Society of Rajasthan shall be: To combat corneal blindness in Rajasthan through maximum cornea collection & utilisation, excellence in performance and promoting eye donation a community movement.

Amendments in the Articles of Association: As it was a detailed exercise, more or less every article was amended either for clarity or making changes. However some important amendments in the Articles of Association are mentioned here. The article numbers mentioned below are as per amended Articles of Association:

- Article 3.01 Membership:** The membership of the Eye Bank Society of Rajasthan has been divided into two categories. Existing members except donor members have been categorised as General members. They have right to take part in all activities of the EBSR. Another category of Honorary Members consisting of Patron, Emeritus, Advisor and Donor members was added.
- Article 3.04 Conferment of Membership:** The General Body of the Society will confer membership on an individual or to an organization on the recommendations of the Executive Committee. However the Executive Committee has been empowered to nominate suitable persons as honorary members.
- Article 4.03 Special General Meeting:** A formal amendment has been made to authorise the Executive Committee to convene, if necessary, Special General Meeting in addition to the Annual General Meeting.
- Article 5.04 Quorum for Extra Ordinary General Meeting:** An Extra Ordinary General Meeting can be convened only if the written request

from this is received from 2/3rd of the General Members of the General Body of the Eye Bank Society of Rajasthan. Therefore quorum for Extra-Ordinary General Meeting has been kept as 2/3rd of the General Members of the Eye Bank Society of Rajasthan. Moreover for passing the resolution, 2/3rd majority of General Members present will be required

5. **Article 6.09 Coopted members:** This is a new provision. Now the Executive Committee is competent to coopt up to two members who will be useful to fulfil objectives of the Eye Bank Society of Rajasthan. They will not have right to vote in meeting of the Executive Committee.
6. **Article 6.14 Collaborative Project:** This is a new provision. The Executive Committee can collaborate with the Government and /or any philanthropic foundation/ trust/ organization to undertake project to promote the objectives of the Eye Bank Society of Rajasthan
7. **Article 6.25 Notice Period for the Executive Committee Meetings:** Notice Period for the Executive Committee Meetings has been reduced from 10 days to 7 days in accordance with Model byelaws. Provision for emergency meeting of the Executive Committee has been introduced which will require three days' notice.
8. **Article 9.03 Audited Accounts:** This is a new provision. Now the Treasurer is responsible for getting accounts of the Society audited
9. **Article 10.01 Powers & Duties of Joint Secretary:** This is a new provision. Now the Joint Secretary is authorised to perform all functions of the Secretary in absence of the Secretary,
10. **Article 13.01 Amendments to the Memorandum of Association and the Articles of Association:** This article has been redrafted to bring in conformity with the Section 12 of the Rajasthan Society Registration Act 1958. Now the

amendments in the Memorandum of Association or the Articles of Association, to alter, to extend, or to abridge the objectives of the Society or amalgamate it either wholly or partially with any other society, shall be carried out only if it is approved by the votes of 2/3rd of the General Members present at the Special General Meeting convened for the purpose and unless it is confirmed by the votes of 2/3rd of the General Members present at a second Special General Meeting at an interval of one month after the first meeting.

11. **Article 13.02 Amendments to the Memorandum of Association and the Articles of Association other than mentioned in Article 13.01:** The Act does not prescribe any procedure for the amendments other than those mentioned in Section 12 of the Rajasthan Society Registration Act 1958. Therefore a new provision has been added. All other amendments, other than those mentioned in Article 13.01, in the Memorandum of Association or the Articles of Association, can be made in the Annual General Meeting and they are approved by 2/3rd of the General Members present in the meeting.
12. **Article 14.01 Dissolution/ Winding Up of the Eye Bank Society of Rajasthan:** The quorum for passing resolution for Dissolution/ Winding Up of the Eye Bank Society of Rajasthan has been increased from existing provision of 50% to 2/3rd of the General members in conformity with Sections 13 and 14 of the act.

The amendments will give clarity to existing provision and will give more flexibility to the Society in its functioning and would also cater to future needs. The amendments are being submitted to the Registrar office for the final approval. Once the amendments are approved, they will be notified and will come into force.

Shri Lalit Prakash Kothari
 Secretary EBSR

दृष्टि का उपहार, जीवन की आशा

भारत में कॉर्निया डोनेशन कैसे बढ़ाएं



भारत में लाखों लोग कॉर्निया अंधत्व से पीड़ित हैं, और इनमें से कई की आंखों की रोशनी केवल एक ही चीज़ से लौट सकती है – कॉर्निया दान। फिर भी, हमारे देश में कॉर्निया डोनेशन की दर ज़रूरत से कहीं कम है। इस चुनौती को अवसर में बदलने के लिए हमें सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

कॉर्निया डोनेशन क्यों ज़रूरी है?

- भारत में अनुमानित 10 लाख लोग कॉर्निया अंधत्व से प्रभावित हैं।
- हर साल लगभग 25,000–30,000 लोगों की आंखों की रोशनी कॉर्निया ट्रांसप्लांट से बहाल की जाती है, जबकि ज़रूरत लगभग 1 लाख प्रत्यारोपणों की होती है।
- एक कॉर्निया डोनर दो दृष्टिहीन लोगों को रोशनी दे सकता है।

कॉर्निया दान कैसे बढ़ाया जा सकता है?

1. जनजागरूकता अभियान

- स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और पंचायत स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं।
- नेत्रदान-महादान जैसे नारे और स्लोगन जन-जन तक पहुंचाए जाएं।
- स्थानीय भाषाओं में पोस्टर, वीडियो, और सोशल मीडिया कैंपेन चलाए जाएं।

2. धार्मिक और सामाजिक भ्रांतियों को तोड़ना

- धार्मिक नेताओं और समाजसेवियों को शामिल करके यह संदेश दिया जाए कि नेत्रदान पुण्य का कार्य है।
- यह समझाना ज़रूरी है कि मृत्यु के बाद शरीर के किसी अंग का दान किसी भी धर्म में वर्जित नहीं है।

3. ऑप्ट-इन से ऑप्ट-आउट सिस्टम की ओर बढ़ना

- सरकार डोनेशन बाय डिफ़ॉल्ट नीति की ओर बढ़े - जिसमें सभी नागरिक डोनर माने जाएं जब तक कि वे स्वयं मना न करें (Opt-Out System)।

- यह नीति कई देशों में सफल रही है।

4. अस्पताल आधारित मृत्यु पर फोकस

- हर अस्पताल में **Eye Donation Counselor** नियुक्त किया जाए जो मृतक के परिजनों से संपर्क कर नेत्रदान के लिए आग्रह करें।
- ICU और Emergency वार्ड में “Hospital Cornea Retrieval Programme” (HCRP) को सक्रिय किया जाए।

5. स्कूल व कॉलेज स्तर पर प्रेरणा कार्यक्रम

- छात्रों को नेत्रदान की शपथ दिलवाना।
- युवाओं को नेत्रदान एंबेसडर बनाकर अपने घर और मोहल्ले में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना।

6. सरकारी सहयोग और नीति निर्माण

- Eye Collection Centre की संख्या बढ़ाई जाए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- कॉर्निया दान और ट्रांसप्लांट से संबंधित प्रक्रियाएं सरल और पारदर्शी बनाई जाएं।
- CSR और NGO सहयोग को बढ़ावा दिया जाए।

निष्कर्ष:

नेत्रदान सिर्फ एक अंग का दान नहीं है, यह किसी की ज़िंदगी में उजाला लाने का एक पवित्र कार्य है। जब कोई व्यक्ति अपनी आंखें दान करता है, तो वह किसी को अंधकार से निकालकर जीवन की नई शुरुआत देता है।

आइए मिलकर संकल्प लें कि हम नेत्रदान को एक जन आंदोलन बनायेंगे।

दृष्टि का उपहार देकर जीवन की आशा बनें।

गोबिन्द गुरबानी

सह-सम्पादक

मरता है शरीर, अमर है आत्मा



नेत्रदानी परिवारजन के दिल को छूने वाले अनुभव साझा करते हुए मैं अभिभूत हूँ और स्वयं को तृप्त महसूस कर रही हूँ। व्यक्तिगत कहानियों को साझा करना संभावित दाताओं तक पहुंचने में विशेष रूप से प्रभावी होता है। ऐसा करने से नेत्रदान के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट नज़र आते हैं एवं गलत धारणाएं एवं भ्रान्तियाँ दूर होती हैं।

वास्तविक जीवन की कहानियाँ सामान्य जानकारी की तुलना में अधिक प्रभावशाली होती हैं, जिससे विषय को भरोसेमंद और प्रेरणादायक बनाया जा सकता है। अन्य व्यक्तियों को भी दाताओं के रूप में पंजीकृत करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है, यह जानकर कि उनकी आंखें भी किसी और के जीवन को रोशन कर सकती हैं।

मैं कुछ नेत्रदानी परिवारजन के अनुभव आपके साथ साझा कर रही हूँ।

● कमलेश कुमार टांक, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर

मेरी माताजी स्व. श्रीमती उर्मिला देवी का परलोक गमन दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को हो गया था। माता जी हमेशा मुझे यह कहती थी, कि मनुष्य जीवन बार बार नहीं मिलता, इसलिए कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे मन में शांति की अनुभूति हो। मेरा जन्म सार्थक हुआ, मैंने उनकी इच्छा का सम्मान किया और उनका नेत्रदान करवाया।

● डॉ बिजेन्द्र सिंह, कोटपूतली राजस्थान

शरीर में प्राणवायु खत्म होने पर यह कुछ समय बाद राख हो जाता है। यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी और के काम आ जाए, तो यह जीवन सही मायने में सफल माना जा सकता है। मेरे स्व. भ्राता राजेन्द्र प्रसाद भारतीय सनातन संस्कृति को जीने वाले एक पुण्यात्मा थे। सड़क दुर्घटना में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उनका यदि मल्टिपल आर्गन फेल्योर नहीं होता, तो मैं उनके और भी अंग दान करता। मुझे खुशी है कि अब उनके नेत्र किसी और का जीवन रोशन कर रहे हैं। आज मैं भी एक चिकित्सक होते हुए, इस समाज के कल्याण में अग्रसर हूँ। आई बैंक सोसायटी के इस पुरुषार्थ को मेरा कोटि कोटि प्रणाम!

● दिव्या अस्थाना झोटवाड़ा, जयपुर

बहुत छोटी आयु में मेरे दोनों भाइयों ने इस दुनिया को अलविदा कह

दिया। मेरी तो पूरी दुनिया ही मेरे प्यारे भाइयों के इर्द-गिर्द ही घूमती थी। दोनों की ही आँखें हमने दान की। मेरी सोच यह है कि मनुष्य जीवन की सार्थकता दूसरों की मदद करने में ही है। बचपन में ही मेरे माता पिता का देहांत हो गया था। मेरे भाइयों ने बहुत ही संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत किया। मुझे लगा कि इनके नेत्रदान से किसी के तो जीवन का संघर्ष कम हो जाएगा, शायद उन्हीं की दुआओं से मेरे भाइयों की आत्मा को कुछ शांति मिल सके। उनके जाने का गम तो कोई कम नहीं कर सकता पर आज यह तसल्ली है, कि कहीं तो उनकी आंखें आज भी जीवित हैं।

मेरा यह विचार है कि यदि हम स्वयं नेत्रदान करें या किसी और का करवाएं, तो हमारी जिंदगी भी रोशन और गुलज़ार रहेगी।

मैं स्वयं भी अंतिम समय में अपना देहदान करके इस दुनिया को अलविदा कहना चाहती हूँ।

● डालचंद शर्मा, अलवर राजस्थान

मैंने अपने माता-पिता का नेत्रदान करवाया। मैं शांति की अनुभूति करता हूँ, और मुझे लगता है, उनके नेत्रों से किसी और को रोशनी मिली और वे आज भी जीवित हैं।

● गोपाल हरित, जयपुर

दुःख तो बहुत होता है, अपने प्रियजन के जाने से, लेकिन आई बैंक सोसायटी के पुरुषार्थ से किसी और का भला हो जाए, यह सोचकर नेत्रदान कराने की प्रेरणा मिली। बहुत सराहनीय काम है।

● आयुषी अग्रवाल, जयपुर

9 मई, 2025 को मेरी माँ के स्वर्गवास को एक साल हो गया। हमने आई बैंक सोसायटी से संपर्क कर उनका नेत्रदान करवाया। मैं यह समझती हूँ, हमारा समाज के प्रति दायित्व है और हमें केवल अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए। इसी कारण से, मैं और मेरा परिवार गोपालपुरा बाईपास के पास भोजन और कपड़े दान करने का अभियान चला रहे हैं, जहाँ हर सप्ताहांत बहुत सारे बच्चे एकत्रित होते हैं, हम यह काम एक एनजीओ के साथ मिलकर कर रहे हैं। यह करने से हमें आंतरिक खुशी की अनुभूति होती है।

अंजु जैन

कार्यकारिणी सदस्य
ईबीएसआर

प्रेरणादायी उदाहरण

एम्बुलेंस में ही नेत्रदान



निरन्तर प्रयासों से पूरे कोटा संभाग में नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ती जा रही है अब यह परंपरा का हिस्सा बनने लगा है, शाइन इंडिया फाउंडेशन के नेत्रदान अभियान की सहायक संस्था

मेड़तवाल रक्त नेत्र मित्र समिति के विशाल गुप्ता ने संस्था के नेत्रदान संयोजक कमलेश गुप्ता दलाल को सूचना दी कि उनके मित्र विजय गुप्ता की बकानी निवासी बुआ शकुंतला देवी गुप्ता का कोटा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हुआ है। परिवार कोटा से पार्थिव शव को लेकर बकानी रवाना हुए हैं। शकुंतला देवी के तीनों पुत्र राकेश, अनिल और सुनील सहित परिवार की नेत्रदान की इच्छा है। परिवार की सूचना आने तक एंबुलेंस कोटा से 15 किलोमीटर आगे निकल चुकी थी एवं जब परिवार को बताया गया कि एंबुलेंस में

भी नेत्रदान संभव है, तो एंबुलेंस को झालावाड़ रोड पर बीच रास्ते रोका गया। सूचना प्राप्त होते ही शाइन इंडिया फाउंडेशन व ईबीएसआर बीबीजे चैप्टर के कॉर्डिनेटर डॉ कुलवंत गौड़, भोजन बीच में छोड़ घर से तुरंत ही नेत्रदान के लिए रवाना हुए एवं ठीक 20 मिनट में परिवार के पास पहुंच एंबुलेंस में ही परिजनों के सहयोग से नेत्रदान प्रक्रिया संपन्न की। समय पर नेत्रदान का निर्णय लेने के कारण शकुंतला देवी का कोर्निया अच्छी क्वालिटी का पाया गया, जिसे आई बैंक जयपुर भेज दिया गया। जहां पर यह दो लोगों को नई नेत्र ज्योति प्रदान करेगा।

डॉ कुलवंत गौड़ ने बताया कि यह शकुंतला देवी के परिवार से दूसरा नेत्रदान प्राप्त हुआ है, इससे पहले शकुंतला देवी की देवरानी श्रीमती रामजानकी बाई का नेत्रदान 2023 में बकानी कस्बे से हो चुका है। यह बकानी का आठवां नेत्रदान है।

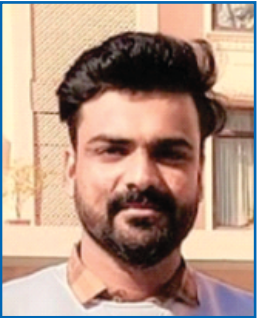
नेत्र उत्तरण प्रक्रिया के दौरान जिला प्रबंधक नगर निगम कोटा डॉ हेमलता गांधी भी वहीं से गुजर रही थी, उन्होंने अपने सामने जब एंबुलेंस और नेत्र संकलन वाहिनी ज्योति रथ को देखा तो, उन्होंने गाड़ी रुकवाकर नेत्रदान की सारी प्रक्रिया को देखा एवं नेत्रदान के उपरान्त परिवार को प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

डॉ कुलवंत गौड़

शाइन इंडिया फाउंडेशन

टेक्नीशियन की जुबानी

अंधता उन्मूलन के लिए हर संभव प्रयास...



मेरा नाम टिकू ओझा है, मैं राजस्थान के बारां जिले के एक छोटे से कस्बे समरानियां का रहने वाला हूँ। मैं पिछले 10 वर्षों से आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान कोटा चैप्टर में कार्यरत हूँ। गत वर्षों में बहुत से अनुभवों के साथ मैंने मृत देह से 1500 से अधिक की आंखों के कोर्निया दान में प्राप्त किये हैं।

जब आप नेक कार्य में सदैव तत्पर होते हैं, ईश्वर आपकी सहायता अवश्य करता है,,,

इस दौरान मेरा सबसे अनोखा वाकिया यह हुआ कि यदि आप किसी नेक कार्य में मन से लग जाते हैं, तो ईश्वर भी आपकी सहायता किसी न किसी रूप में करता ही है।

एक बार मेरी पत्नी श्रीमती सुमन ओझा का स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण कोटा के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। उसी रात लगभग 12 बजे अचानक एक फ्रोन कॉल आया कि आप टेक्नीशियन टिकू ओझा बोल रहे हैं, मैंने कहा जी बताइये, परिजनों का कहना था कि हमारे परिवार में माताजी का हृदयघात से देवलोकगमन हो गया है, उनकी अंतिम इच्छानुसार नेत्रदान का पुनीत कार्य सम्पन्न कराना है।

अब हुआ ये की आज तक मेरा प्रयास रहा है कि किसी भी नेत्रदान के लिए मना नहीं किया जाए, यदि कोई कारण है भी तो फोन कॉल पर तो मना नहीं किया जाये। मैं मृतक के घर जाकर आंखों को देखकर या मृत्यु का कारण एवं उनकी पूरी

मेडिकल हिस्ट्री जानकर ही मना किया है जिसमें परिवार को संतुष्टि हो कि, नेत्रदान एक बहुत ही पारदर्शी प्रक्रिया है जिसमें संक्रमित देह की आंख का उपयोग नहीं हो सकता है।

उस दिन मेरी सबसे बड़ी दुविधा यह थी कि इधर मेरी पत्नी अस्पताल में भर्ती है और मुझे नेत्रदान के लिए शहर में ही लगभग 8 किलोमीटर दूरी तय करके नेत्रदान संकलित करने जाना है, मैंने निजी अस्पताल के स्टाफ से बात की। मैं आई बैंक टेक्नीशियन हूँ और मुझे अभी तत्काल ही किसी का नेत्रदान लेने जाना है यदि आप मेरी धर्मपत्नी की इस दौरान देखभाल कर लें तो बहुत ही मेहरबानी होगी। हॉस्पिटल स्टाफ का कहना था कि आप इतना नेक कार्य कर रहे हैं कि दूसरों को इससे दृष्टि प्राप्त होगी उनका जीवन संवर जाएगा इससे बेहतर कार्य क्या हो सकता है। सर् आप जाइये बिना किसी परेशानी के हम आपकी पत्नी की देख रेख इस दौरान कर लेंगे।

मुझे उस दिन यह महसूस हुआ कि आप जब किसी पुण्य कार्य में लगते हैं तो ईश्वर किसी न किसी रूप में आपकी मदद जरूर कर देता है।

अंत में मैं यही कहूंगा कि नेत्रदान के इस पुनीत कार्य में नेत्रदानी परिवार का बहुत बड़ा त्याग है जो कि विकट बज्रपात के समय भी अपने प्रियजनों के नेत्रदान सम्पन्न करवाते हैं, सही मायने में यह परिवार के द्वारा बहुत बड़ा निर्णय है, हम लोग केवल दृष्टिहीन ओर दानदाता के बीच का माध्यम है जो कि दान की आंख को उचित मुकाम तक पहुंचाते हैं।

श्री टिकू ओझा

टेक्नीशियन, कोटा चैप्टर

लोग पूछते हैं....

नेत्रदान की मुहीम में हम ऐसा क्या कर सकते हैं जो हमारे बस में हो ? ये एक ऐसा पुनीत कार्य है कि इस के बारे में चर्चा करते ही हर एक के मन में जिज्ञासा भर जाती है ----जब भी हम किसी जगह जागरूकता की बात करने जाते हैं तो लोग एक सवाल स्वाभाविक रूप से जरूर पूछते हैं। कि हम नेत्रदान के लिए अपने आप को कैसे रजिस्टर कर सकते हैं या हम कौन सा फार्म कैसे और कहाँ भर सकते हैं? आईये, इन तीनों विकल्पों की बात करते हैं-

- **फार्म भरना आई बैंक से एक फार्म मिलता है जिस को हम भर कर दे सकते हैं** - एक सुकून सा तो मिलेगा लेकिन फार्म तो रह जायेगा एक फाइल में। इसका क्रियान्वयन तो पता नहीं कब और कहाँ होना है। ये बस एक कागज़ी कार्यवाही ही बन कर रह जायेगी। हमारा संकल्प तो हमारे ही मन में रह जायेगा।
- **किसी टोल फ्री नंबर पर रजिस्टर कर लेना** - ये भी न जाने कौन सी लिस्ट में जायेगा।
- **ऑनलाइन रजिस्टर कर लेना** - किसी वेबसाइट पर

इन तीनों विकल्पों में अगर आंकड़ों के दृष्टिकोण से देखा जाये तो काम पूरा है, लेकिन किसी को क्या पता कि कब किसी के साथ क्या और कहाँ होना है। वहां न तो फार्म काम आएगा न कोई डाटा बोलेगा। संकल्प केवल संकल्प रह जायेगा। हाँ फार्म भरने में एक प्लस पॉइंट तो है कि फार्म भरने वाले के हस्ताक्षर के साथ साथ उसके किसी रिश्तेदार की गवाही की भी जरूरत होती है और इस गवाही का सरोकार यही है की हमारी इच्छा की जानकारी किसी दूसरे को भी होनी चाहिए। संकल्प करने वाले के जाने के बाद शरीर के मालिक तो घर वाले होते हैं और अगर उनको पता ही नहीं कि कुछ ऐसा विचार था मन में तो फिर शोक के वातावरण में सब कुछ गौण हो जाता है।

मृत्यु के पश्चात केवल छः घंटे में ही आई बैंक को नेत्रदान के बारे में सूचित करना होता है तो ये थोड़ा सा समय सोचने में, मान-मुत्रवल में ही निकल जाता है। होना ये चाहिए कि हम नेत्रदान को चर्चा का विषय बनाएं। घर में, परिवार में समाज में इसके बारे में बात करें अपना संकल्प उजागर करें, रिश्तेदारों में चर्चा करें लोगों को भी प्रेरित करें। कहते हैं न कि बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी। कोई दो जने हमारी आँखों से देख सकें और दो परिवार खुशहाल हो सकें तो इस से ज्यादा एक व्यक्ति

क्या छोड़ कर जा सकता है। एक कोई ऐसा दोस्त जो आपके बहुत नज़दीक हो उसके साथ एक समझौता करें कि समय आने पर हम एक दूसरे के नेत्रदान करवाएंगे। एक नेत्रदान जागरूकता सभा में बहुत आश्चर्य हुआ कि एक पति -पत्नी दोनों ने खड़े होकर ये घोषणा की कि हम एक दूसरे की आँखें दान करने का प्रण लेते हैं।

मेरे एक दोस्त दीपक शर्मा रोटरी क्लब में मेरे साथ नेत्रदान पर बहुत काम भी करते थे और नेत्रदान के प्रति निष्ठा भी रखते थे। उन्होंने अपनी पत्नी के सामने तो कई बार बात की थी लेकिन उनकी पत्नी कोरोना के समय छोड़ कर चली गयी। वो फिर भी चर्चा करते रहते थे लेकिन संजोग देखो कि उनके दोनों बच्चे बाहर रहते थे तो उनके साथ उन्होंने कभी अपनी इच्छा नहीं बता रखी थी। एक दिन दुर्भाग्यवश उन्हें हृदयाघात हुआ और वो एक पल में ही चल बसे। मुझे जैसे ही पता चला तो मैंने दोस्तों से कहा कि उनके बेटे के आने पर बात करते हैं लेकिन बेटे ने साफ़ मना कर दिया क्योंकि पिता के अकस्मात् चले जाने का दुःख ही इतना भारी होता है कि कुछ सूझता ही नहीं और न किसी को ऐसी बात अच्छी लगती है। काश कभी दीपक ने बात की होती तो नेत्रदान हो सकता था। हालाँकि बाद में तो कई परिवार बहुत बार ऐसा महसूस करते हैं कि काश कोई जोर दे कर कहता तो हम मान जाते और एक नेक कार्य हो जाता। लेकिन हर चीज़ का समय निर्धारित होता है।

जब लोग पूछते हैं कि हम नेत्रदान की मुहीम में क्या योगदान दे सकते हैं तो मैं सदा कहता हूँ कि समाज में इसको चर्चा का विषय ही नहीं बनाईये, बल्कि उचित समय पर शोकाकुल परिवार को संबल देते हुए उन्हें नेत्रदान के बारे में प्रेरित कीजिये और समय रहते आई बैंक को सूचना देने की पहल करिए।

कहा जाता है कि मौसम का इंतज़ार न करें धरती में बीज डालते रहिये पता नहीं, समय आने पर किसका डाला हुआ बीज अंकुरित होकर एक पौधा बन जाये।

श्री रवि कामरा
सदस्य, ईबीएसआर

"So they can see the light, donate your sight."



It's admirable to help others while you're alive, but to continue making a difference even after death—that is the truest form of humanity.

This thought and its impact came to me through my grandmother. I am blessed to be born into a family where I have seen my elders helping others from the

very beginning. And I have seen my grandparents and my mother actively participating in many such organizations very closely, which help in building a beautiful, healthy society.

Your family can also inspire other people to donate their eyes just like my grandmother did. She works in EBSR (Eye Bank Society of Rajasthan)—an NGO that works like a medium between the families of the dead and the ones with visual impairment or blindness.

There are 62 million people who are visually impaired and 8 million people who are completely blind. Even they deserve to see the colour of life just like you do. You can offer these people help just by filling a form

while you're alive. That form will help your family to donate your eyes after your death and that cornea will help someone to see the world.

Eye bank society encourages people to pledge eyes in their lifetime so that after death, the family can donate the cornea of the deceased person and fill the life of a visually impaired person with light.

Giving inspiration is one thing, but fulfilling it, is not possible for everyone. An example of my own—Last year in February my grandfather passed away, in such a condition who would even think of donating their husband's eyes but my grandmother did. She called the technician immediately and donated my grandfather's cornea and even after death he helped someone.

I am not praising myself or my family because we did a very great deed. But if you take inspiration from this and decide, and convince your entire family to donate eyes, then writing this article will be successful for me.

If we can be the reason for helping someone literally "see" then there is no greater deed than this. So pledge to donate your eyes and inspire people around you to do the same.

Miraya Bapna
Class X Student

वित्तीय दान दाताओं की सूची (अप्रैल से जून, 2025)

1. श्री हरिशंकर शर्मा	21000
2. श्री पानाचन्द जैन	21000
3. श्रीमती अनिता जैन	21000
4. श्रीमती इन्दू कोठारी	20000

5. श्री मनोज परवानी	5000
6. श्री एन. सी. डांडिया	5000
7. श्रीमती मृदुला दुगड़	3000
कुल	96000

दान में प्राप्त कॉर्निया माह अप्रैल से जून 2025

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
अप्रैल 2025	237	129	54.43 प्रतिशत
मई 2025	273	175	64.10 प्रतिशत
जून 2025	238	197	82.77 प्रतिशत
कुल संख्या	748	501	66.98 प्रतिशत

एन एस एस एवं नेत्रदान जागरूकता अभियान

नेत्रदान का संकल्प करें! मृत्यु के बाद मृत्युंजय बनें!!



राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार युवा और खेल मंत्रालय की योजना है। यह योजना उच्च शिक्षा विभाग के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संचालित की जाती है इस योजना का वृहत्तर उद्देश्य विद्यार्थियों/स्वयंसेवकों में टीम निर्माण के साथ नेतृत्व की भावना, विकासात्मक मुद्दे, भारत की सांस्कृतिक विविधता और इतिहास से परिचित करवाना है। ग्राम/बस्ती

को गोद लेकर उनकी स्वच्छता, युवा विकास गतिविधियों और आपदा प्रबन्धन आदि से विकास में उनका योगदान करवाना है। यह समाज सेवा का एक बहुत बड़ा मंच है। राष्ट्रीय एकीकरण भी इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

यह योजना 1969 में 37 विश्वविद्यालयों में प्रारम्भ की गई थी। जिसमें लगभग 40,000 स्वयं सेवक सम्मिलित हुए। वर्तमान में 49 विश्वविद्यालयों में कुल 202 एकाई में 20200 विद्यार्थी शामिल है तथा 635 महाविद्यालयों में 1011 यूनिटों (एकाई) में लगभग 101100 छात्र छात्राएँ स्वयंसेवक है।

इस योजना में तीन, एक दिवसीय व एक सात दिवसीय विशेष शिविर लगाकर विद्यार्थियों के माध्यम से समाज कल्याण एवं राष्ट्रोत्थान की अन्य गतिविधियां करवायी जाती है। एन एस एस में शामिल होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी/स्वयंसेवक/स्वयंसेविका को एन एस एस कार्यक्रम में 120 घंटों के लिए अभिमुखीकरण से गुजरना होता है। एन एस एस में पंजीकृत विद्यार्थियों को स्वयंसेवक के तौर पर कम से कम 120 घंटों की समाज सेवा का कार्य करना होता है। दो साल में 240 घंटों की समाज सेवा प्रदान करने पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया जाता है। समाज सेवा के माध्यम से शिक्षा का प्रसार, आपस में सामाजिक तालमेल, सहृदय, सामंजस्य एवं जिम्मेदार नागरिक होने की भावना विकसित की जाती है। समूह में रहकर व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं का व्यावहारिक



समाधान खोजने में ज्ञान का उपभोग करने को भी महत्व दिया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, रक्तदान, अंगदान, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य आदि के जागरूकता हेतु समय पर रैली व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाता है।

एन एस एस नारा है “मैं नहीं आप” इस नारे की मूल भावना से प्रेरित होकर आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान में नेत्रदान महादान की भावना जनमानस तक पहुँचाने के लिए एन एस एस के स्वयं सेवक/सेविकाओं का सहयोग प्राप्त करने हेतु उच्च शिक्षा विभाग के सभी राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों को परिपत्र जारी करवा कर उक्त जागरूकता अभियान में एन एस एस को भागीदारी निभाने के लिए निर्देशित करवाने का प्रयास किया गया।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान द्वारा लगभग 30 महाविद्यालयों में एन एस एस के एक दिवसीय कैम्प में नेत्रदान जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत नेत्रदान से संबंधित भ्रान्तियों को दूर कर नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया एवं इसके नियमों आदि को विस्तार से पीपीटी के माध्यम से समझाया गया। नेत्रदान की शपथ दिलाते हुए उन्हें “ज्योति मित्र” बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे इनके माध्यम से गाँव-गाँव, ढाणी-ढाणी तक लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैला कर उन्हें यह कल्याणकारी कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सके। परिणामस्वरूप कई महाविद्यालया की (ग्रामीण एवं शहरी), एन एस एस एकाइयों द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए आई बैंक सोसाइटी के उद्देश्य को एक नई उड़ान प्रदान की है। जिसके लिए आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान - एवं मानव समाज इनके आभारी है।

जाने से पहले दे दो जीवन दान, अमर रहना है तो कर दो नेत्रदान

दीपाली भार्गव

सदस्य, ईबीएसआर



Six-Months Progress Report of EBSR: Highlights from Vision Workshop – Q2 2025

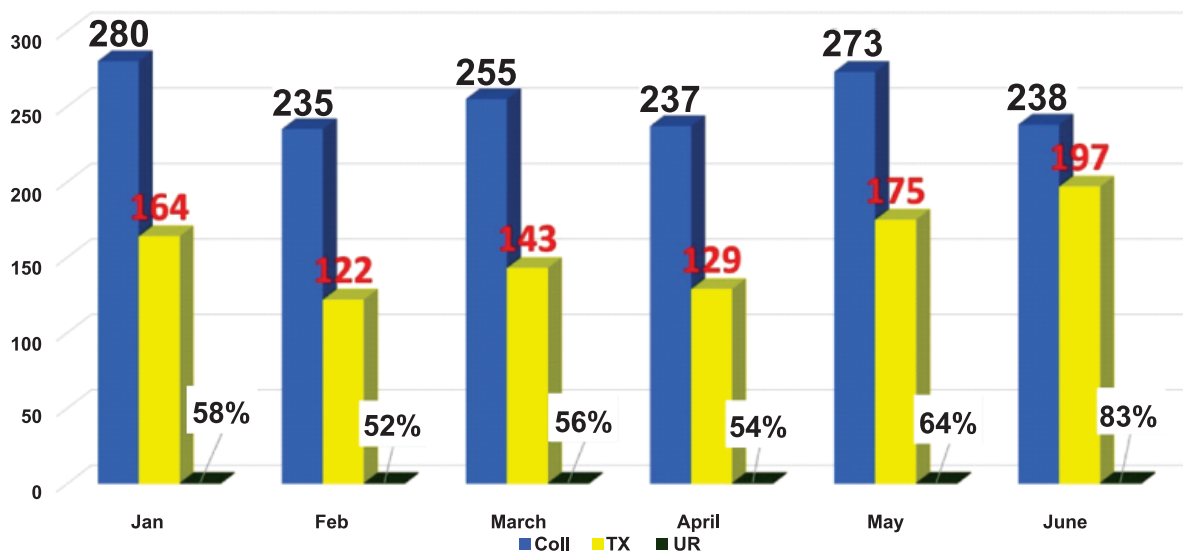
The Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) organized its **Vision Workshop – Q2 2025 on 12th July 2025** at Hotel Bliss, Jaipur. This pivotal mid-year review served as both a platform to evaluate the progress of the first six months and a reaffirmation of EBSR's unwavering commitment to eliminating corneal blindness across Rajasthan. The workshop brought together a diverse group of counselors, field technicians, administrators, and key stakeholders from various chapters, fostering a collective spirit of collaboration, reflection, and strategic planning.

The event commenced with an inspiring welcome address by **Shri L.P. Kothari**, Secretary of EBSR, who underscored the broader implications of vision loss. "Blindness is not just a physical limitation, but a social challenge—and it's our shared responsibility to overcome it," he remarked. Shri Kothari also extended heartfelt appreciation to all chapters for their sustained efforts and urged them to continue their momentum with renewed vigor and purpose.

Total Corneas Collected : 1,518
Total Transplants : 981
Utilization Rate : 61%

Progress Report Jan-June 2025

2025	Coll.	TX	UR
Total	1518	930	61%
Q1	770	429	56%
Q2	748	501	67%



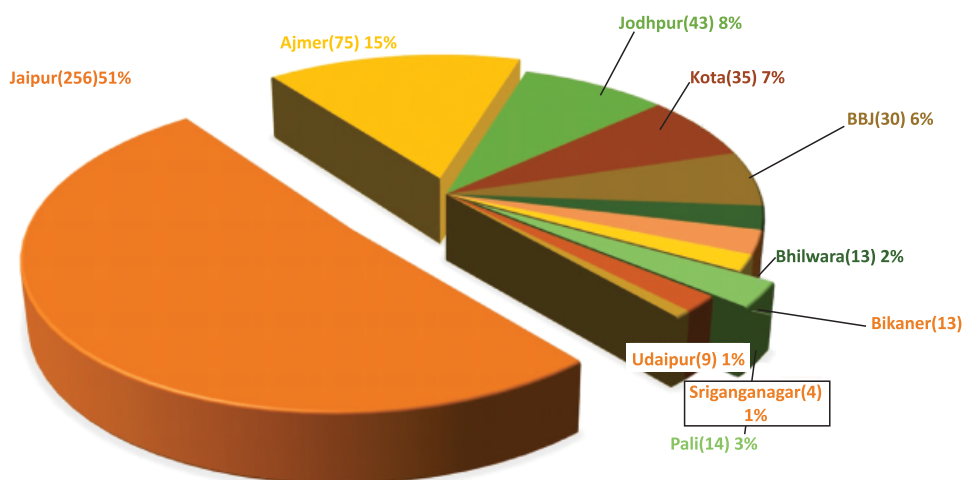
Highest Monthly Transplants:

May 2025: 175 (Highest in 14 months)

June 2025: 197 (New 2025 record; just 1 short of all-time high from Jan 2024)

HCRP Leadership by Chapters: Top Performing Chapters are Jaipur, Kota, and Ajmer led the Hospital Cornea Retrieval Program (HCRP) in volume and efficiency. The rise in cornea availability was primarily due to strong hospital coordination, improved mortuary engagement, and the relentless dedication of counselors and technicians.

Chapter wise contribution: April-June 2025



Chapter wise Vol / HCRP Q-2 2025

Chapter	HCRP. Coll	HCRP. Tx	UR% HCRP	HCRP Contribution (%)	Vol. Coll	Vol. Tx	UR% Vol.	Vol. Contribution (%)	Total Contribution	UR%
Jaipur	340	249	73%	97%	34	7	20%	3%	256	68%
Ajmer	82	69	84%	92%	8	6	75%	8%	75	83%
Jodhpur	50	28	56%	65%	31	15	48%	35%	43	53%
Udaipur	0	0	0	0	22	9	41%	100%	9	41%
Kota	20	15	75%	43%	25	20	80%	57%	35	78%
Pali	0	0	0	0	18	14	78%	100%	14	78%
Bhilwara	0	0	0	0	24	13	54%	100%	13	54%
Bikaner	16	13	81%	100%	0	0	0	0	13	81%
Dausa	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BBJ	0	0	0	0	51	30	59%	100%	30	59%
MBS	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Sriganganagar	0	0	0	0	9	4	44%	100%	4	44%
Sardarsher	0	0	0	0	18	9	50%	100%	9	50%
Total	508	374	73%	75%	240	127	53%	25%	501	

Counsellor Performance (Q1 vs Q2):

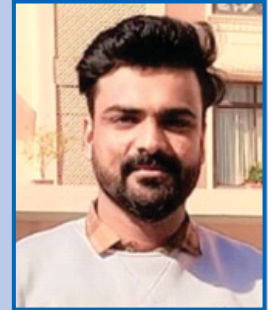
In the area of counselor performance, the transition from Q1 to Q2 of 2025 showcased both consistency and emerging excellence. Tinku Ojha from Kota, recognized as the Star Performer of Q1, continued to demonstrate exceptional commitment in eye donation counseling and retrieval. In Q2, **Bharat Kumar Sharma from Ajmer** took the lead as the **Star Performer**, earning the highest score of **252 points**, a testament to his outstanding work in counseling and contributions under the Hospital Cornea Retrieval Program (HCRP). Tinku Ojha followed closely with **246 points**, securing the **Runner-up position** and reaffirming his consistent impact across both quarters.

On the technical front, **mortuary retrievals set new benchmarks** with EDCT Prahlad achieving record-breaking numbers: **75 corneas in June 2025**, the highest monthly retrieval on record, and **70 corneas in May**, both reflecting unmatched field performance. In the category of **Excellent Field Technicians for June**, **Bharat Kumar** stood out with a top score of **90**, followed by **Dr. Kulwant Gaur** with **85**. Notably, no technician qualified in April and May, making these June recognitions even more significant and underlining a renewed dedication and precision in field operations.



Bharat Kumar Sharma
Ajmer
Star Performer
Score : 252

Star Performers:



Tinku Ojha
Kota
Star Runners Up
Score : 246

Members Location

S.No.	Location/Name
A	C-Scheme
1.	Bapna Dr. Ajeet Singh
2.	Bapna Sunita
3.	Bhandari Ashok
4.	Kothari L.P.
5.	Mehta Pushpa
6.	Mehta Suresh C
7.	Sacheti Pushpa
8.	Sacheti V.C.
9.	Sacheti Shailendra
B	Mansarovar
1.	Bakiwala Sunil
2.	Bhargava S.N.
3.	Bissa S.S.
4.	Goyal Ashok Kumar
5.	Mehta Sunil
C	Banipark/Vidyadhar Nagar/Ambabadi
1.	Bhandari Nirmala
2.	Bhandari Shimla
3.	Bhandari V.S.
4.	Consul Saurabh
5.	Gurbani Govind
6.	Gurbani Unnati
7.	Shukla L.P.
D	Rajapark/Tilak Nagar
1.	Dua C.L.
2.	Godha Sunita
3.	Madan Vinod
4.	Mehta Suraj Raj
5.	Modi Shirish
6.	Nathawat Rakhi
7.	Ranka Sidharth
E	AdarshNagar/Jawahar Nagar/M.D. Road/Janta Colony
1.	Bhandari Rajendra
2.	Bhandari Savita
3.	Bhandari Usha

4.	Dugar Praksh
5.	Dugar S.M.
6.	Gupta Ajay
7.	Jain Shonu
8.	Kapoor Narendra
9.	Pangariya Kamal
F	Shyam Nagar/Ajmer Road DCM
1.	Agarwal Om Prakash
2.	Bhandari Ruchi
3.	Bolia Laxman
4.	Gupta Rakesh Kumar
5.	Mehra Raj
6.	Mehta Kamla
7.	Mehta Shashi
8.	Patodia Dimple
9.	Singhi N.K.
10.	Taneja Prajesh
11.	Verma S.P.
G	Civil Lines/Sodala
1.	Bohra Shobhana
2.	Jagwani Bhavna
3.	Jain Anju
4.	Modi Jagdish Chandra
H	Bapu Nagar/Lalkothi/Gandhi Nagar/Bajaj Nagar
1.	Bapna Usha
2.	Dandia Nihal Chand
3.	Garg Kapil
4.	Jain Dilip
5.	Jain M.S.
6.	Mathur Tara
7.	Mehta Shikhar Chand

8.	Parwani Manoj
9.	Sharma B.L.
10.	Sharma Shobha
I	Tonk Road/Sanganer/Durgapura/Gopalpura
1.	Bhandari Kaushalya
2.	Bhargava Deepali
3.	Goyal R.S.
4.	Mehta Rakesh
5.	Singhal Atmaram
J	Malviya Nagar/Jagatpura
1.	Bhandari Ramesh
2.	Dasot Rajeev
3.	Sacheti Ravi
4.	Sharma H.P.
5.	Singhal Haricharan
6.	Swami Priyanka
K	Vaishali Nagar/Mahavir Nagar/Sirsi Road
1.	Kamra Ravi
2.	Mehta Satish Chand
3.	Singh Tejveer

MEMBERS LOCATION OUTSIDE JAIPUR

A	Members outside Jaipur city but within Rajasthan
1.	Bhargava Pramod
2.	Gupta Rakesh
3.	Jain Rajendra
4.	Toshniwal Ravi
B	Members outside Rajasthan but within India
1.	Kumat R. S.
2.	Kumat Vinod
C	Members outside India
1.	Mehta Mahaveer
2.	Mehta Dr. Manu

कोटा चेप्टर

Donor Felicitation

The Kota Chapter has organized a Felicitation Program for family members of Eye Donors on Sunday, the 15th June, 2025 at Rotary Binani Sabhagar, Shopping Center, Kota. It was 5th Ceremony in which 82 families were felicitated.

Sh.Heera Lal Nagar, Energy Minister, Government of Rajasthan was the Chief Guest. Sh.Sandeep Sharma, MLA, Kota South, presided over the function.

Dr.Sangeeta Saxena, Principal, Govt. Medical College, Kota, and Sh.Hari Mohan Sharma, Dy.Commissioner, Industries, Kota, were the Guest of



Honor. President, Secretary, Treasurer and members of Rotary Club, Kota, attended the program. Office Bearers and members of EBSR, Kota chapter also attended the Felicitation ceremony. Family members of Eye Donors were felicitated by Diamond Mala, Shawl, Uparna and certificate by the invited guests.



Dr.K.K.Kanjolia,
President
EBSR, Kota Chapter,

सरदारशहर चेप्टर

नेत्रदान जनचेतना: मैराथन दौड़



14 अप्रैल 2025 को सरदारशहर में नेत्रदान जागरूकता मैराथन दौड़ सम्पन्न हुई जिसमें बुजुर्ग, महिलाएं, विद्यार्थी, नौजवान आदि ने भाग लिया। यह दौड़ प्राणनाथ हॉस्पिटल एवं तेरापंथ युवक परिषद सरदारशहर के तत्वावधान में हुई जिसमें आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान चूरू चैप्टर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह राठौड़ पूर्व नेता प्रतिपक्ष, चूरू विधायक हरलाल सहारण, अशोक पींचा पूर्व विधायक सरदारशहर, अनेक पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे। आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान चूरू चैप्टर के समन्वयक गणेशदास स्वामी के नेतृत्व में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही चूरू चैप्टर मुख्यालय सरदारशहर में नेत्रदान करने वाले छः जनों के परिवारजनों को प्रशस्ति पत्र, शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दो देहदान करने वालों के परिजनों का सम्मान किया गया तथा सभी नेत्रदानियों के चित्रों पर माला पहनाई गई तथा अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षक खेल रत्न एवं पद्मविभूषण डॉ. देवेन्द्र झाझड़ियां रहे। उन्होंने नेत्रदान को इस सदी का महादान बताया। अनेक लोगों ने नेत्रदान करने की घोषणा की। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित जनप्रतिनिधियों ने नेत्रदान का संकल्प लिया। गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड़ ने नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान करने की घोषणा की।



दौसा चेप्टर

समुदाय तक पहुँच - दौसा में आयोजित कार्यक्रम



- दिनांक 02 जून, 2025 को दौसा के नांगल राजावतान ब्लॉक के आलूदा सेक्टर में एक जागरूकता मीटिंग का आयोजन ग्राम पंचायत भवन में किया गया। इस मीटिंग का आयोजन लेडी सुपरवाइजर श्रीमती प्रेमलता जी के मार्गदर्शन एवं समन्वय से किया गया।

मीटिंग में आई बैक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नेत्रदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को यह बताया गया कि किस प्रकार नेत्रदान से अंधता को दूर किया जा सकता है। विशेष रूप से कॉर्निया ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया के बारे में सरल भाषा में समझाया गया - कॉर्निया क्या होता है, यह कैसे उपयोग में लिया जाता है और इसके माध्यम से किस प्रकार जरूरतमंद व्यक्तियों को दृष्टि प्रदान की जाती है।

मीटिंग में क्षेत्र की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस मीटिंग का उद्देश्य क्षेत्र में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाना तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस विषय में प्रशिक्षित कर आमजन तक सही जानकारी पहुँचाना था।

- निःशुल्क नेत्र रोग जांच एवं परामर्श शिविर, आलूदा, दौसा

गुरुवार 15 मई 2025 को निःशुल्क नेत्र रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन हुआ इस कैम्प में 230 ग्रामीणों ने भाग लिया।



निःशुल्क आई डॉप व चश्मे आवश्यकता अनुसार वितरित किए गए। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य नेत्रदान के बारे में लोगों को जानकारी देना एवं नेत्र जांच कर भविष्य के उपचार की जानकारी देना था। यह कैम्प आई बैक सोसायटी ऑफ राजस्थान के माध्यम से आयोजित किया गया। इस कैम्प में प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्रीमती उषा बापना, सीनियर मैनेजर सुदर्शना शेखावत, रामदयाल, सहायक निदेशक, जयपुर, छोटू लाल मीना, दौसा, Ophthalmologist देवेन्द्र कुमार व आशीष रावत (EDCT) की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

गांव के लोगों ने इस कैम्प से अधिकाधिक लाभ उठाया।

- दिनांक 26/05/2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छारेड़ा में डॉ. देवेन्द्र कुमार के साथ नेत्रदान विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य नेत्रदान के महत्व को समझाना एवं जनसामान्य को इस विषय में जागरूक करना था।

बैठक में सभी चिकित्सा स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों को नेत्रदान की प्रक्रिया, समय सीमा और उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नेत्रदान कैसे व कौन कर सकता है एवं नेत्रदान को लेकर लोगों के बीच जो भ्रांतियां हैं उन्हें भी उदाहरण देकर स्पष्ट किया गया।

- ग्राम पालूदा में जनजागरूकता बैठक:

इसी दिन ग्राम पालूदा में महिलाओं के साथ एक अलग बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें नेत्रदान से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी सरल भाषा में समझाई गई। महिलाओं ने इस विषय में रुचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण प्रश्न भी पूछे। उन्हें यह भी बताया गया कि वे स्वयं या परिवार के अन्य सदस्यों को नेत्रदान हेतु कैसे प्रेरित कर सकती हैं।

उपस्थित लोगों ने नेत्रदान को लेकर गंभीरता दिखाई। सभी ने इस मानवीय कार्य को अपनाने एवं समाज में इसके प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।



जयपुर चेप्टर

संवेदना एवं सम्मान



- आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा यह निर्णय लिया गया कि नेत्रदानी परिवार को सम्मान देने हेतु तीसरे दिन की बैठक में शामिल होकर प्रशस्ति पत्र उपस्थित लोगों के सम्मुख देकर उन्हें इस कार्य के लिए सम्मानित किया जाये। कई लोग जानकारी के अभाव में नेत्रदान की इच्छा रखते हुए भी समय पर यह कार्य सम्पादित नहीं कर पाते। सभी के सम्मुख नेत्रदान की बात की जाये तो अप्रत्यक्ष रूप से लोग नेत्रदान के लिए प्रेरित भी होते हैं।

माह अप्रैल व मई, 2025 में जयपुर में जिन परिवारों ने अपने परिजनों का नेत्रदान किया उनके तीये की बैठक में जाकर सम्मान पत्र प्रदान किये गये-

जिसमें अप्रैल माह -

- | | |
|--|------------------------------|
| 1. गीता रामकृष्णन | मानसरोवर, जयपुर |
| 2. पिंटू कसोरिया पुत्र प्रहलाद चन्द रैगर | मुरलीपुरा, सांगानेर |
| 3. धनंजय कुमार पुत्र राधाकिशन अस्थाना | मोहनपुरा, सांगानेर |
| 4. हेमन्त कुमार पुत्र श्यामलाल | अमरनाथ की बगीची, जनता कॉलोनी |
| 5. सचिन भागीन पुत्र सूरज मल, | कृष्णा नगर, इमली फाटक, जयपुर |
| 6. विमल चन्द भंडारी पुत्र इन्द्र चन्द भंडारी | राजापार्क |

मई माह-

- | | |
|------------------------------------|-----------------------------|
| 1. संध्या शर्मा पत्नी जगदीश नारायण | धूलेश्वर गार्डन |
| 2. अमरचन्द आहूजा पुत्र गोविन्द राम | विनायक अपार्टमेंट, सी-स्कीम |
| 3. एस.सी. जनयानी पुत्र छबलदास | एमएनआईटी कैम्पस |
| 4. घीसी देवी पत्नी रामलाल मीणा | प्रेम नगर, आगरा रोड |
| 5. विश्वेन्द्र कुमार वर्मा | मुरलीपुरा, सीकर रोड |

6. अकूल शर्मा पुत्र ब्रजेश शर्मा

जोरावर सिंह गेट

इन सभी परिवारों की तीये की बैठकों में जाकर सम्मान पत्र प्रदान किये गये एवं वहां आने वाले सभी लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी भी दी गई।

- अप्रैल व मई माह में एसएमएस अस्पताल, महात्मा गांधी अस्पताल व अन्य जगह नेत्रदान जागरूकता हेतु हैल्प डेस्क भी लगाये गये जिससे वहां आने वाले लोगों को नेत्रदान की जानकारी दी गई।
- 24 अप्रैल, 2025 को आई बैंक के सक्रिय सदस्य श्री रवि कामरा द्वारा आई डोनेशन पर एक वार्ता संकल्प उजाले का 100.3 एफएम में प्रसारित की गई। वह वार्ता कविताओं एवं सजीव उदाहरण देकर बहुत ही रोचक ढंग से प्रस्तुत की गई थी जिसे संकल्प थियेटर ग्रुप ने स्पोसर की थी।
- श्री रवि कामरा द्वारा योग दिवस 21 जून, 2025 को वैशाली नगर में योग के साथ-साथ आई डोनेशन के महत्त्व को भी वहां उपस्थित लोगों को बताया गया।



Eye Donation Awareness at Viksit Bharat Sankalp Sansthan

An international conclave of Viksit Bharat Sankalp Sansthan (VBSS) was held at Birla Auditorium Jaipur on 14 April 2025 wherein Hon'ble Governor of Rajasthan was the chief guest.

The event had participation of 2000 delegates from around 20 countries and almost all the states of India. The Participants were from various spheres ie. Nationalist, Academicians, writers social workers etc.

As a founder member of VBSS and Member EBSR, Mr Ajay Gupta spoke about Eye and Organ Donation.



पाली चेप्टर

सरगरा समाज के प्रथम नेत्रदाता पुनाराम चौहान के परिजनों को प्रदान किया प्रशस्ति पत्र



● आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, पाली चेप्टर द्वारा सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल दिवंगत पुनाराम चौहान पुत्र श्री मगना राम चौहान के मरणोपरांत उनके परिजनों ने दिवंगत के नेत्रदान करवाए। दिनांक 14 अप्रैल सोमवार को सामूहिक विवाह आयोजन में सरगरा समाज के संत 1008 श्री गणेश नाथ जी महाराज, कार्यक्रम आयोजक संपत नाथ जी महाराज, पूर्व विधायक श्री ज्ञानचंद जी पारख, आई बैंक पाली के मुख्य संरक्षक डॉ आर के गर्ग, उपाध्यक्ष डीडी शर्मा एवं अध्यक्ष हुक्मीचंद मेहता द्वारा दिवंगत के परिजनों को नेत्रदान प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सरगरा समाज में संभवत यह पहला नेत्रदान था एवं इस इस

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता यह भी रही कि समाज के प्रमुख संतों के हाथ से प्रशस्ति पत्र प्रदान करने से जो समाज में नेत्रदान के प्रति भ्रांतियां थी वह भी समाप्त हो गई। इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने मरणोपरांत नेत्रदान के संकल्प की घोषणा की।

● पाली चेप्टर की ओर से 12 जून को नेत्रदानी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि श्री गौतम कुमार दक सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार ने 150 नेत्रदानी परिवारजनों का सम्मान करते हुए कहा कि आपके इस अभूतपूर्व निर्णय का हम सभी स्वागत करते हैं, ऐसे कार्यक्रम समाज सम्मुख प्रस्तुत उदाहरण सभी को आगे आने के लिए प्रेरित करता है। पाली चेप्टर के अध्यक्ष श्री हुक्मीचंद जी मेहता, श्री कवाड़ सचिव ने संस्था के सभी कार्यकर्ताओं, सहभागियों एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. चौहान, बागड़ चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. चौधरी भी उपस्थित रहें।



बीबीजे चेप्टर

शोक सभा में नेत्रदान कार्यशाला से प्रेरित हो, 20 लोगों ने लिया नेत्रदान संकल्प



बीते दिनों रोटेटा रोड, कापरेन निवासी रमेश चंद्र गौड़ की माताजी श्रीमती भूली बाई के आकस्मिक निधन के पश्चात् परिजनों ने नेत्रदान सम्पन्न कराया।

भूली बाई के बारहवें में नेत्रदान पर एक लघु कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें शाइन इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक व ईबीएसआर - बीबीजे चेप्टर के कॉर्डिनेटर डॉ कुलवंत गौड़ ने नेत्रदान के विषय पर विस्तृत जानकारी। उसी से प्रभावित होकर उपस्थित परिवार और रिश्तेदारों में से 20 लोगों ने नेत्रदान का संकल्प पत्र भरा।

क्षेत्रवासियों को इससे पहले नेत्रदान से जुड़ी इतनी उपयोगी जानकारी प्राप्त नहीं थी। जानकारी प्राप्त होते ही सभी ने स्व-प्रेरणा से नेत्रदान संकल्प पत्र भरे। कार्यशाला के अंत में भारत विकास परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री नेशनल प्रोजेक्ट ग्राम विकास ललित टेलर ने कहा की नेत्रदान के इस क्षेत्र में भारत विकास परिषद् लगातार संस्था के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। नेत्रदानी परिवार को प्रशस्ति पत्र और नेत्रदानी गौरव पट्टीका परिवार जनों को भेंट की।

श्रीगंगानगर चेप्टर

हैल्प डेस्क द्वारा नेत्रदान की पहल



- श्रीगंगानगर चेप्टर डॉ.एसएस टांटिया मैमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के सहयोग से संरक्षक डॉ.मोहित टांटिया के निर्देशन में कार्य कर रहा है। इस दौरान नेत्रदान जागरूकता और लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। सोसायटी सदस्यों ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में जहां कई लोगों को प्रेरित कर उनके परिजनों के नेत्रदान करवाए वहीं नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाकर लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया।

सोसायटी सदस्यों ने पूर्ण समर्पण और निष्ठा से कार्य करते हुए कई जगह हैल्प डेस्क लगवाकर नेत्रदान के इस कार्य से लोगों को जोड़ा।

● हैल्प डेस्क

1. सोसायटी ने रीको के लघु उद्योग भारती कार्यालय में हैल्प डेस्क लगाकर लोगों को नेत्रदान की मुहिम से जोड़ा। उन्हें बताया कि व्यक्ति कैसे नेत्रदान कर अन्य लोगों के जीवन में खुशियां ला सकता है और उन्हें दुनिया देखने के योग्य बना सकता है।
2. श्रीगंगानगर के हनुमानगढ़ रोड पर लगे एसबीटी एजुकेशन फेयर में आए युवाओं को हैल्प डेस्क के जरिए बताया गया कि कैसे विद्यार्थी और युवा नेत्रदान का संकल्प ले सकते हैं। इस दौरान युवाओं से नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए।
3. वैशाखी पर्व पर रंगोली रिसोर्ट में हुए आयोजन के दौरान हैल्प डेस्क के जरिए नेत्रदान के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि नेत्रदान करने से किसी अन्य को रोशनी भरा जीवन मिल जाता है। यहां मौजूद लोगों को संकल्प भी दिलाया गया।

4. शहर के हनुमानगढ़ रोड स्थित बालाजी धाम में नेत्रदान जागरूकता के उद्देश्य से लोगों को नेत्रदान के बारे में बताया गया। एक बड़ा पोस्टर लगाकर लोगों को नेत्रदान से समाज को होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

● दृष्टिहीनता निवारण सप्ताह मनाया-

सोसायटी की ओर से दृष्टिहीनता निवारण सप्ताह मनाया गया। इसमें शहरी और ग्रामीण इलाके के लोगों की भागीदारी रही। गांव ख्यालीवाला में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाकर शुरुआत की गई। इस दौरान करीब सौ लोगों की नेत्र जांच की गई। उन्हें समाज हित में नेत्रदान का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा गया कि इससे समाज को लाभ होगा। दृष्टिहीनता निवारण सप्ताह के तहत बनिए अंधेरे का विकल्प लीजिए नेत्रदान संकल्प पोस्टर का विमोचन भी किया गया। राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता, टांटिया यूनिवर्सिटी के वाइस चैयरपर्सन डॉ.मोहित टांटिया, एकजीक्युटिव डायरेक्टर केएस सुखदेव, एडीएम (प्रशासन) सुभाष कुमार, रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. संदीप चौहान, सीए निशित अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

● नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए

जिले के गांव लालगढ जाटान, गांव अक्कावाली और सिहागावाली में नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए। लोगों को बताया गया कि उनका नेत्रदान के लिए संकल्प किसी का जीवन रोशनी से भर सकता है। बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्रदान का संकल्प लिया। इसके अलावा शहरी और ग्रामीण इलाके में करीब चालीस सार्वजनिक स्थानों पर नेत्रदान संबंधी पोस्टर भी लगवाए गए।



भीलवाड़ा चेप्टर

नेत्रदान जागरूकता : नवाचार



दिनांक 27 जून शुक्रवार को लायंस आई हॉस्पिटल सुभाष नगर भीलवाड़ा में जिले के विभिन्न राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नेत्रदान जागरूकता हेतु पोडियम भेंट किए गए जिससे नेत्रदान के संबंध में अधिकाधिक प्रचार प्रसार हो सके। बड़ामहुआ, मंगरोप, रिछड़ा, चमनपुरा, मालोला, गाडर माला के अंदर पोडियम रीजन चेयरमैन लायन राकेश पगारिया आई बैंक भीलवाड़ा चेप्टर के प्रभारी, क्लब अध्यक्ष आरपी बल्दवा, लायन विजय डाड, लायन एस एल लड्डा, लायन बी एस दुदानी, लायन बीके कालिया, लायन सुनील जागेटिया एवं लायन सदस्य उपस्थित थे।

उदयपुर चेप्टर

Eye Donation Awareness Program at GMCH Udaipur



Maharana Pratap Varishth Nagrik Sansthan to participate in the event. The program focused on promoting awareness about eye donation, a noble act that can restore vision and transform lives.

Dr. Rishi Mehta, a renowned ophthalmologist, delivered an insightful and informative lecture on the importance of eye donation. He explained in detail various aspects of eye donation, including: **Who can donate eyes, Age Limit, Time Frame After Death, Contraindications** etc in detail.

Dr. Mehta also addressed several queries from the audience, ensuring all doubts were clarified. His presentation was well received and appreciated by all members present.

On the occasion of Father's Day, Geetanjali Medical College, Hiranmagri, Udaipur organized a special awareness program and invited members of the



Shradhanjali sabha was organised by Muskan Varishth Nagrik club at Oriental Palace to Mourn the death of Air Crash Victims. Eye donation awareness talk was delivered by Shri Surajmalji Porwal.

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता	क्र.स.	नाम	पता	क्र.स.	नाम	पता
अप्रैल, 2025			43.	चेतन शर्मा, मथुरा (यू.पी.)		86.	कृष्ण कुमार, भिवानी, हरियाणा	
1.	रतन कंवर, जयपुर		44.	सरदी लाल मीणा, करौली		87.	पुखराज कंकलिया, भीलवाड़ा	
2.	संदीप स्वामी, सीकर		45.	राधाकृष्ण अजमेरा, अजमेर		88.	सुमन खण्डेलवाल, कोटा	
3.	गोकुल भाई गुप्ता, कोटा		46.	वैजयंती माला नागौरी, विजय नगर		89.	अनिल सिंह, उदयपुर	
4.	हरिओम, अलीगढ़ (यू.पी.)		47.	मनोज कुमार, झुंझुनूं		90.	सतपाल गुर्जर, भीलवाड़ा	
5.	बदर राम, हनुमानगढ़		48.	प्रेमनारायण वर्मा, जयपुर		91.	ललिता सिंघवी, उदयपुर	
6.	महावीर प्रसाद जैन, भीलवाड़ा		49.	लोकेश सिंह, मथुरा (यू.पी.)		92.	सीताराम वर्मा, सीकर	
7.	नंदलाल फोहलिया, जोधपुर		50.	हेमन्त कुमार निमेष, जयपुर		93.	गिरिराज मीणा, जयपुर	
8.	जेठमल जैन, जोधपुर		51.	श्रीपाल मेहता, जोधपुर		94.	कमला बाई गोयल, बारां	
9.	सुभाष चन्द जैन, ब्यावर		52.	अरुण भंडारी, जोधपुर		95.	सावित्री देवी खरारानी, अजमेर	
10.	भंवरलाल नागर, कोटा		53.	रामनिवास चांडक, अजमेर		96.	लक्की सैनी, जयपुर	
11.	रंभा चोरड़िया, कोटा		54.	आरती योगी, जयपुर		97.	मनीष चन्द्रकान्त तिवारी, इन्दौर	
12.	श्रीनाथू लाल भूतड़ा, अजमेर		55.	गोरा देवी, करौली		98.	श्यामसुन्दर यादव, पाली	
13.	तेजकंवर बाई सुराना, झालावाड़		56.	सचिन चांगिल, जयपुर		99.	हरूराम, खारिया	
14.	सुंजामल जैन, झालावाड़		57.	सुन्दर देवी पुगलिया, बीकानेर		100.	हीराराम, साजनवासी	
15.	शकुंतला देवी जयसिंघानी, कोटा		58.	राजेश कुमार, सीकर		101.	विमल चंद भंडारी, जयपुर	
16.	रमेश चन्द शर्मा, कोटा		59.	सरला शर्मा, बीकानेर		102.	इन्द्रा कोठारी, अजमेर	
17.	चम्पा देवी, अजमेर		60.	कविता देवी, करौली		103.	शांति देवी जैन, जोधपुर	
18.	राजेश सांखला, अजमेर		61.	कालू राम, टोंक		104.	उषा गर्ग, कोटा	
19.	कमला देवी, जोधपुर		62.	पूनम धनाड़िया, जोधपुर		105.	कृष्णा गहलोत, नागौर	
20.	मुनेश कुमारी, झुंझुनूं		63.	छगन राज नाहर, जोधपुर		106.	महावीर प्रसाद जैन, टोंक	
21.	सीताराम, जयपुर		64.	बाबूलाल जैन, झालावाड़		107.	सिकंदर, अलवर	
22.	लेखा हाड़ा, अलवर		65.	रामेश्वर प्रसाद खंडेलवाल, झुंझुनूं		मई 2025		
23.	सरोज कुमार बड़जात्या, बारां		66.	राधेश्याम भोला, झुंझुनूं		1.	छगन जी बोहरा, उदयपुर	
24.	विजय पाल सिंह, करौली		67.	सीताराम शर्मा, जयपुर		2.	निराली तंवर, पालर	
25.	कृष्ण कुमार मनचांदा, कोटा		68.	धापू देवी जैन, सलुवर		3.	मंजू देवी, जोधपुर	
26.	गीता रामकृष्णन, जयपुर		69.	जयप्रकाश सेठी, नीमच		4.	मांगी देवी सिंधी, बीकानेर	
27.	खेमचन्द जैन, श्योपुर (एम.पी.)		70.	राजेन्द्र कुमार, जयपुर		5.	मदनलाल, नोखा	
28.	विजय बैरवा, दौसा		71.	रामलाल, चूरू		6.	मंजू देवी बापना, भीलवाड़ा	
29.	शालू गोयल, अजमेर		72.	विमला देवी, भरतपुर		7.	रीना कुमारी, धौलपुर	
30.	प्रकाश चन्द गोलछा, ब्यावर		73.	रमेश कहार, अजमेर		8.	नरेन्द्र रामचंदानी, ब्यावर	
31.	शकुंतला, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)		74.	शांति लाल मेहता, पाली		9.	जगदीश प्रसाद सैनी, जयपुर	
32.	सुरेन्द्र सिंह, सरबुलपुर		75.	बनवारी रैगर, सर्वाई माधोपुर		10.	गुड्डी देवी, नंदपुरी नगर	
33.	संतोष मालू, बीकानेर		76.	पुष्पा गुप्ता, झालावाड़		11.	महेन्द्र, नरई	
34.	भगत सिंह, चूरू		77.	राकेश कुमार बलाई, अलवर		12.	लज्जू राम, करौली	
35.	धनंजय कुमार अस्थाना, जयपुर		78.	कजोड़ी देवी, रतवाड़ा		13.	गणेश रैगर, जयपुर	
36.	ललित राठी, जयपुर		79.	हीराचंद जैन, जयपुर		14.	हेमराज मीणा, करौली	
37.	ओमप्रकाश, दौसा		80.	केसर लाल, जयपुर		15.	बनवारी बैरवा, जयपुर	
38.	घनश्याम मूंदड़ा, जोधपुर		81.	हजारी, सीकर		16.	मेनका भगत, अजमेर	
39.	निर्मला देवी लोढा, भीलवाड़ा		82.	मोहित कुमार, अलवर		17.	जुग जीवनि रेनिवाल, चूरू	
40.	प्रहलाद सिंह, दौसा		83.	सुखराम गुर्जर, ब्यावर		18.	राजेन्द्र कुमार गोठी, चूरू	
41.	पिटू कासोटिया, जयपुर		84.	प्रेम देवी चौहान, अजमेर		19.	राजूलाल कुमावत, बेरसल	
42.	छगनलाल, सरवर		85.	नितेश सेन, झुंझुनूं		20.	मूली देवी, अलवर	

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता
21.	जितेन्द्र, जयपुर	
22.	जोनी कुमार, जयपुर	
23.	सूरज, श्रीगंगानगर	
24.	सुरेन्द्र सिंह पंवार, कोटा	
25.	प्रेमलता जैन, शंकर नगर	
26.	नीरज किरोड़ीवाल, सीकर	
27.	विद्या देवी, श्रीगंगानगर	
28.	लक्ष्मी देवी, दौसा	
29.	नानू राम, बूंदी	
30.	बन्ना सिंह रावत, अजमेर	
31.	अजय महावर, दौसा	
32.	भाग सिंह, डीग	
33.	पूजा, भरतपुर	
34.	गणेश रैगर, जयपुर	
35.	हेमराज मीणा, रेनवाल	
36.	अमर चंद आहूजा, जयपुर	
37.	दीपक मंत्री, जोधपुर	
38.	बाबूलाल कोली, करौली	
39.	योगेश कुमार जाटव, करौली	
40.	विमल कुमार बरडिया, चूरू	
41.	रामस्वर लाल फतनानी, ब्यावर	
42.	शारदा गोयल, अजमेर	
43.	सूरज रावत, पाली	
44.	महेन्द्र बंसीवाल, दौसा	
45.	शांतिलाल जैन, उदयपुर	
46.	नानूराम कुमावत, फुलेरा	
47.	महेश, डीडवाना-कुचामन	
48.	मोदू सिंह, डीडवाना	
49.	नितिन कुमार, सीकर	
50.	बाबूलाल सैनी, टोंक	
51.	बाबूलाल सैनी, टोंक	
52.	संध्या शर्मा, जयपुर	
53.	भानूप्रताप सिंह राणावत, उदयपुर	
54.	कमल किशोर माहेश्वरी, कोटा	
55.	विनीता जैन, कर्नाटक	
56.	सुरेश राठी, जोधपुर	
57.	राम कवरी राठी, जोधपुर	
58.	रोहित, डीग	
59.	विनोद माली, सवाई माधोपुर	
60.	उमा शंकर, अजमेर	
61.	महेन्द्र कुमार शर्मा, पाली	
62.	अरुण कुमार, लहरपुर (यू.पी.)	
63.	राजेन्द्र मोहन भंडारी, बारां	
64.	बंशीधर गोयल, बारां	

क्र.स.	नाम	पता
65.	मनफूल, बीकानेर	
66.	नारायण सहाय, जयपुर	
67.	हुकम चंद लूणावत, जोधपुर	
68.	राकेश जैन, सवाई माधोपुर	
69.	रामगोपाल सैन, श्रीगंगानगर	
70.	प्रेम कुमार, सीकर	
71.	बलदेव सैनी, सीकर	
72.	मोहन जांगिड़, पाली	
73.	राधेश्याम दाधीच, जोधपुर	
74.	मोहनलाल लिम्बा, सरदारपुरा	
75.	किरण भंडारी, सरदारपुरा	
76.	कमल, महानत की हवेली	
77.	भगवान देई, करौली	
78.	शेर सिंह, भरतपुर	
79.	महेन्द्र कुमार लोढ़ा, कोटा	
80.	विमला देवी दोसी, उदयपुर	
81.	भैरूलाल जैन, उदयपुर	
82.	बलदेव सिंह, पाली	
83.	माया देवी राजानी, कोटा	
84.	अनूप कुमार बदलानी, अजमेर	
85.	अमित कुमार मीणा, दौसा	
86.	कृष्णा देवी, श्रीगंगानगर	
87.	भगवान सहाय, जयपुर	
88.	श्रीमती निर्मला कुमावत, अजमेर	
89.	मनोज कुमार जैन, विजय नगर	
90.	दीपक, भरतपुर	
91.	तुलसीराम गुप्ता, जयपुर	
92.	जसमीत कौर, जोधपुर	
93.	नरसी लाल, जयपुर	
94.	रूप चन्द, किशनगढ़	
95.	रुचिर बोहरा, जोधपुर	
96.	सुरेश कुमार विजयवर्गीय, बूंदी	
97.	दयाचंद जैन, बारां	
98.	मनेश कुमार, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)	
99.	रामकृष्ण, सीकर	
100.	विमलेश कुमार, सीकर	
101.	करण सिंह, मसूदा	
102.	राजेन्द्र सिंह मूथा, जोधपुर	
103.	लादूलाल नंदावत, भीलवाड़ा	
104.	जितेन्द्र शेखावत, सीकर	
105.	विश्वेन्द्र कुमार वर्मा, मुरलीपुरा	
106.	नारायण राम, जोधपुर	
107.	रामकिशोर कछावा, जोधपुर	
108.	शंकर प्रसाद शर्मा, जयपुर	

क्र.स.	नाम	पता
109.	मोहन बाबू, भरतपुर	
110.	महेन्द्र, लूणाकरणसर	
111.	दीपक, लूणाकरणसर	
112.	सोहन राम कालिया, नागौर	
113.	कंचन बावरी, नागौर	
114.	घीसी देवी, जयपुर	
115.	सूरज कान्ता नाहर, जोधपुर	
116.	एस.सी. जंजानी, जयपुर	
117.	रामप्रसाद रावत, अजमेर	
118.	महेश प्रजापत, अलवर	
119.	सुमन बैरवा, करौली	
120.	रामनिवास, सीकर	
121.	मंजू माथुर, पाली	
122.	मनोज कुमार जैन, गंगाशहर	
123.	लवकुश, करौली	
124.	पूजा यादव, सीकर	
125.	रामेन्द्र भंडारी, जोधपुर	
126.	नवीन कुमार जेठवानी, जोधपुर	
127.	राम लाल, जयपुर	
128.	शैलेश सिंह, भरतपुर	
129.	जय सिंह महावर, जयपुर	
130.	अकुल शर्मा, जयपुर	
131.	सुनिल, चूरू	
132.	गिराज प्रसाद शर्मा, जयपुर	
133.	माना बाई, कोटा	
134.	धनमल जैन, झालावाड़	
135.	भूली बाई गौड़, बूंदी	
136.	सोहन लाल, जयपुर	
137.	लालाराम, जयपुर	
138.	अजित शाह, रामगंज मंडी	
139.	सुनील विश्णोई, फलौदी	
140.	सुरेश बूब, जोधपुर	
141.	मनोज देवी, सीकर	
142.	सुरेश कुमार मीणा, सीकर	
143.	कमल चंद सैनी, जयपुर	
144.	चित्रांश, फिरोजाबाद	
145.	विजेता, समता नाहर	
146.	प्यारेलाल सैनी, झुंझुनूं	
147.	बरधा धाकड़, टोंक	
148.	संजय भटनागर, कोटा	
149.	त्रिशला जैन, कोटा	
150.	आरती गुलफंदिया, करौली	
151.	देवीचन्द जी मेहता, पाली	
152.	दालचंद, भरतपुर	

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता
153.	प्यार सिंह, दौसा	
154.	संदीप कंवर, जयपुर	
155.	आतिक मिया, टोंक	

जून, 2025

1.	दिलबाग सिंह, झुंझुनूं	
2.	बसंती देवी टिक्यानी, भीलवाड़ा	
3.	राजू देवी बज, किशनगढ़	
4.	महेन्द्र सिंह रावत, अजमेर	
5.	जीवराज सिंह, जोधपुर	
6.	धनपत बलाई, अलवर	
7.	सौभाग्य मल गार्गिया, अजमेर	
8.	अनमोल, हनुमानगढ़	
9.	सन्नू जोगी, अलवर	
10.	मोहिनी देवी सोनी, ब्यावर	
11.	पायल जैन, श्रीगंगानगर	
12.	रामराज, टोंक	
13.	ईशा मीणा, कोटा	
14.	ममता देवी, जयपुर	
15.	खेराज राम मेघवाल, बीकानेर	
16.	बंती बैरवा, सवाई माधोपुर	
17.	राजेन्द्र कुमार, बारां	
18.	राधेश्याम जी साहनी, जयपुर	
19.	राजेन्द्र जैन, कोटा	
20.	घनश्याम शर्मा, जयपुर	
21.	कमलेश शर्मा, कोटा	
22.	सोहनी देवी, टोंक	
23.	मोहन लाल, मथुरा	
24.	दीपक, भरतपुर	
25.	मुकेश चौधरी, अजमेर	
26.	मोहन लाल चोटरानी, अजमेर	
27.	मुकेश चीता, अजमेर	
28.	देवा राम, नोखा	
29.	विनोद कुमार, अजमेर	
30.	हरीश बंजारा, नावा	
31.	चिरंजीव जाटव, जयपुर	
32.	कालूराम सरगार, पाली	
33.	अर्पण सिंघवी, जोधपुर	
34.	महावीर, जयपुर	
35.	महेश सैनी, जयपुर	
36.	मुरारीलाल गुर्जर, दौसा	
37.	हेमराज ढाका, बारां	
38.	भूमा राम, जमवारामगढ़	
39.	खुशी नामा, जयपुर	

क्र.स.	नाम	पता
40.	देवी दान चारण, चूरू	
41.	उम्मेदमल सिंघवी, जोधपुर	
42.	कान्ता देवी, अजमेर	
43.	सतवीर सिंह, हनुमानगढ़	
44.	रतिराम बैरवा, टोंक	
45.	गिराज महावर, दौसा	
46.	अरविन्द रून्वाल, किशनगढ़	
47.	बलवीर सिंह भटनागर, कोटा	
48.	राहुल यादव, डीग	
49.	महेन्द्र सिंह, जयपुर	
50.	लकराज, अग्रवाली कॉलोनी	
51.	रमेश एनानी, भीलवाड़ा	
52.	पूजा गुरनानी, भीलवाड़ा	
53.	मीना सिंघवी, भीलवाड़ा	
54.	महावीर तेली, भीलवाड़ा	
55.	महेन्द्र चीता, अजमेर	
56.	राजकुमार जैन, सदर बाजार, सरवर	
57.	मंजू चपलोत, उदयपुर	
58.	प्रेमवती, बदावली (यू.पी.)	
59.	भगोत, झुंझुनूं	
60.	तेजपाल, मथुरा	
61.	प्रधान गुर्जर, टोंक	
62.	शकुंतला रानी अरोड़ा, बारां	
63.	संतोष कंवर, चूरू	
64.	विवेक शर्मा, भरतपुर	
65.	अशोक कुमार स्वामी, जयपुर	
66.	धापू, बूंदी	
67.	बाबू देवी, जालौर	
68.	मनोज सिंह, झारखंड	
69.	श्रीमती सुषमा रानी, अलवर	
70.	शांता बाई जैन, कोटा	
71.	जेठानंद भागचंदानी, अजमेर	
72.	अमन सिंह, जयपुर	
73.	सोहन बाई लोढ़ा, झालावाड़	
74.	मूलचंद यादव, कोटपूतली	
75.	रामवीर, डीग	
76.	सुरेन्द्र मीणा, जयपुर	
77.	गणपत सिंह जैन, पाली	
78.	नेमीचन्द, सीकर	
79.	जितेश बैरवा, पाटन तुंगा	
80.	विपुल कुमार पाल, जोधपुर	
81.	अशोक कुमार अडवानी, कोटा	
82.	हरिप्रकाश भंडारी, जोधपुर	
83.	उर्मिला मोर, कुचामनसिटी	

क्र.स.	नाम	पता
84.	सुशीला चोरड़िया, कोटा	
85.	योगेश भाटी, पीपाड़ शहर	
86.	किशोर गोकलानी, ब्यावर	
87.	महेन्द्र कुमार, सीकर	
88.	नितेश शर्मा, जयपुर	
89.	रामजस बीकानेर	
90.	चरणदास, करौली	
91.	कालूराम मीणा, दौसा	
92.	शांति देवी गोयल, बारां	
93.	रुधि देवी, अलवर	
94.	कैलाश चोमिया, जयपुर	
95.	राजेन्द्र नाहर, झालावाड़	
96.	श्रीमती निर्मला देवी, अजमेर	
97.	श्रीमती निर्मला देवी, अजमेर	
98.	भोजराज सिंधी छतवानी, भीलवाड़ा	
99.	यश चेदिवाल, अजमेर	
100.	तेजकरण चोरड़िया, बीकानेर	
101.	वसुदेव सपलानी, जयपुर	
102.	धमेन्द्र शर्मा, अलवर	
103.	शकुंतला देवी गुप्ता, झालावाड़	
104.	बाबूलाल, दौसा	
105.	सुनीता रानी, अलवर	
106.	रामबंती, जयपुर	
107.	पुष्पा देवी, सवाईमाधोपुर	
108.	रोहित राका, भीलवाड़ा	
109.	कपिल शृंगी, कोटा	
110.	रोहिताश, चूरू	
111.	श्रीमती वीना अग्रवाल, जोधपुर	
112.	सुनंदा मालवीय, जोधपुर	
113.	दीपक, सोनपुर	
114.	दौलत बाई जैन, कोटा	
115.	देसरज, बूंदी	
116.	पुष्प चंद जैन, कोटा	
117.	जगदीश प्रसाद शर्मा, टोंक	
118.	सिद्धार्थ, दिल्ली	
119.	कमल किशोर डागा, जोधपुर	
120.	यासीन, टोंक	
121.	लक्ष्मी राजपूत, जयपुर	
122.	लीला गुप्ता, बकानी	
123.	साजन देवी, कोटा	
124.	कृष्णानंद अग्रवाल, भीलवाड़ा	

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिसडकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY



BHIMA
SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India

A/c No. : 38700274930

Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India

IFSC Code : SBIN0006912.

Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"



आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR • CHURU

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर
एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित
सम्पादक : उषा बापना, सह-सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)